29-12-2022 PAPER-I (HINDI) SET-06

1. किशोर अपराध की बढ़ती हुई घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए किसी समाचार पत्र के संपादक को एक पत्र लिखें। **(150** शब्दों में **)**

2. निम्नलिखित विषय पर एक संपादकीय प्रतिवेदन लिखिए
"विज्ञान की उप्लब्धियाँ**" (200** शब्दों में **)**

3. प्रस्तुत गधांश के आधार पर दिए गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए **:**
वैज्ञानिक प्रयोग की सफलता ने मनुष्य की बुद्धि का अपूर्व विकास कर दिया है। द्वितीय महायुद्ध में एटम बम की शक्ति ने कुछ क्षणों में ही जापान की अजेय शक्ति को पराजित कर दिया। इस शक्ति की युद्धकालीन सफलता ने अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रान्स आदि सभी देशों को ऐसे शस्त्रास्त्रों के निर्माण की प्रेरणा दी की सभी भयंकर और सर्वविनाशकारी शस्त्र बनाने लगे। अब सेना को पराजित करने तथा शत्रु-देश पर पैदल सेना द्वारा आक्रमण करने के लिए शस्त्र-निर्माण के स्थान पर देश के विनाश करने की दिशा में शस्त्रास्त्र बनने लगे है। इन हथियारों का प्रयोग होने पर शत्रु-देशों की अधिकांश जनता और संपत्ति थोड़े समय में ही नष्ट की जा सकेगी। चूँकि ऐसे शस्त्रास्त्र प्रायः सभी स्वतन्त्र देशों के संग्रहालयों में कुछ न कुछ आ गये है, अतः युद्ध की स्थिति में उनका प्रयोग भी अनिवार्य हो जायेगा।
अतः दुनिया का सर्वनाश या अधिकांश नाश तो अवश्य ही हो जायेगा। इसलिए निः शस्त्रीकरण की योजनाएँ बन रही हैं। शस्त्रास्त्रों के निर्माण में जो दिशा अपनाई गई, उसी के अनुसार आज इतने उत्रत शस्त्रास्त्र बन गये है, जिनके प्रयोग से व्यापक विनाश आसन्न दिखाई पड़ता है। अब भी परीक्षणों की रोकथाम तथा बने शस्त्रों के प्रयोग के रोकने के मार्ग खोजे जा रहे हैं। इन प्रयासों के मूल में एक भयंकर आतंक और विश्व विनाश का भय कार्य कर रहा है।

(क) इस गद्यांश का मूल कथ्य क्या है **?**

(ख) भयंकर विनाशकारी आधुनिक शस्त्रास्त्रों के बनाने की प्रेरणा किसने दी **?**

(ग) बड़े-बड़े देश आधुनिक विनाशकारी शस्त्रास्त्र क्यों बना रहे हैं **?**

(घ) 'इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए?

4. निम्नलिखित गद्यांश का सारांश लिखिए।
"साहित्य का आधार जीवन है। इसी आधार पर साहित्य की दीवार खड़ी होती है। उसकी छत्रियां, मीनार और गुंबद बनते हैं। लेकिन बुनियाद मिट्टी के नीचे द्वी पड़ रही है। जीवन परमात्मा का सृष्टि है, इसलिए सुबोध है, ग्रहण करता है और मर्यादाओं से परिमित है। जीवन परमात्मा को अपने कार्यों का उत्तरदेह है या हमें नहीं कहना है, लेकिन साहित्य मनुष्य के सामने उत्तरदेह है। इसके लिए कानून है जिससे वह विचलित-उदर नहीं जा सकता। मनुष्य जीवन पर्यंत आनंद की खोज में रहता है। किसी को यह रत्न, द्रव्य में मिलता है, किसी को अधिकार-पूरे परिवार में, किसी को लंबे-चौड़े भवन में, किसी को ऐश्वर्य में। लेकिन साहित्य का आनंद इस आनंद से ऊंचा है। उसका आधार सुंदर और सत्य है। वास्तव में वास्तविक आनंद सुंदर और सत्य से मिलता है, उसी आनंद को दर्शाता है समान आनंद आय वाले साहित्य का उद्देश्य है।"

5. निम्नलिखित गधांश का हिंदी में अनुवाद कीजिए| |
We are once all peaceful and pure. But what does being pure mean, and how did we act? Impurities are chains that bind, devils make us vicious, and snakes that make us so senseless. It is as if we are asleep, ignorant, unconscious. Purity sets us free. It gives us the keys to Knowledge, peace, happiness and realization of the supreme power. Purity is so precious, so rare, so powerful, we have to die for it. We have to destroy the old self, the old vices that are so much a part of us. Lust, anger, greed, attachment and ego.